Email - sonekikalam@gmail.com
आर.एन.आई. रजि. नं. 52089

सोने की कलम

प्रधान सम्पादक – चेतन गन्धे , 9893157809
www.sonekikalamnews.com

वर्ष - 33 अंक - 50 (साप्ताहिक, प्रत्येक गुरुवार) इन्दौर, 23 जनवरी 2025 से 29 जनवरी 2025 मूल्य 1 रुपये पृष्ठ 4

मध्यप्रदेश के 17 धार्मिक नगरों में

पूर्ण शराबंदी की घोषणा

भोपाल।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने गुरुवार को गोटेगांव में एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने राज्य के 17 धार्मिक नगरों में शराब की दुकानों पर ताले लगाने का निर्णय लिया है, जिसके तहत इन नगरों में पूर्णतः शराबबंदी लागू की जाएगी।

सीएम ने कहा, हम अपनी सरकार के इस कदम के माध्यम से उन स्थानों की पवित्रता और धार्मिक महत्व को बनाए रखना चाहते हैं। शराब को लेकर यह एक बड़ा फैसला है और हम इसे गंभीरता से लागू करेंगे। इस घोषणा के बाद प्रदेश में धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और पवित्रता को लेकर नई दिशा मिलेगी, जिससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के बीच खुशी और प्रसन्नता देखी जा रही है। 17 धार्मिक नगरों की सूची में शामिल स्थानों की पहचान की जाएगी, और जल्द ही कार्यान्वयन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फैसले का उद्देश्य समाज को सकारात्मक दिशा में बढ़ावा देना है।

- चित्रकूट (धार्मिक नगरी, भगवान राम ने वनवास का समय यहां बिताया)
- मैहर (मां शारदा का प्रसिद्ध मंदिर)
- दतिया (पीतांबरा माता मंदिर)
- सलकनपुर (प्रसिद्ध देवी मंदिर)
- ओरछा (रामराजा सरकार का मंदिर)
- ओंकारेश्वर (ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग)
- उज्जैन (महाकालेश्वर मंदिर)
- अमरकंटक (नर्मदा उद्गम स्थल)
- मंडला (नर्मदा के प्रसिद्ध घाट)
- महेश्वर (कई प्राचीन मंदिर)
- मुलताई (ताप्ती उद्गम स्थल)
- जबलपुर (प्राचीन नगरी, नर्मदा घाट के लिए प्रसिद्ध)
- नलखेड़ा (मां बगुलामुखी मंदिर)
- मंदसौर (भगवान पशुपतिनाथ मंदिर)
- बरमान घाट और मंडलेश्वर (नर्मदा के प्रसिद्ध घाट)
- पन्ना (जुगलकिशोर भगवान का प्राचीन मंदिर)
- भोजपुर (महादेव का प्राचीन मंदिर)

शराबबंदी के फैसले को उमा भारती ने सराहा

मध्य प्रदेश में शराबबंदी के फैसले को पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने काफी सराहा है. उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार का धार्मिक शहरों में पूरी शराबबंदी का निर्णय अत्यंत सराहनीय है. दो साल पहले हमारी सरकार द्वारा घोषित की गई शराब पर प्रतिबंध की नीति जनहित में और व्यावहारिक थी. हम पूर्ण शराबबंदी की दिशा में कदम बढ़ा रहे थे, और यह कदम उसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

आबकारी नीति में होगा बदलाव

गौरतलब है कि सीएम की शराबबंदी की घोषणा के बाद मध्य प्रदेश के आगामी बजट सत्र में इसका प्रस्ताव रखा जाएगा. जिन 17 धार्मिक शहरों में सरकार शराबबंदी करेगी, उनके लिए आबकारी नीति में संशोधन होगा. इसके बाद नए वित्तीय वर्ष यानी 1 अप्रैल से ये व्यवस्था लागू होगी।

बजट संवाद में विषय-विशेषज्ञों से प्राप्त सुझावों को बजट में किया जायेगा शामिलः उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

भोपाल।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों के विषय-विशेषज्ञों एवं हितधारकों द्वारा मध्यप्रदेश बजट 2025-26 से प्राप्त सुझावों को बजट में शामिल किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में बजट संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प वर्ष 2047 तक भारत को विश्व में विकसित राष्ट्र के रूप में नम्बर वन पर लाना है। उन्होंने कहा कि आने वाले 25 वर्षों में हमारा देश विश्व गुरु के रूप में स्थापित हो, यह बजट संवाद उसी कड़ी का हिस्सा है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि हमारा देश विश्व में विकसित ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी मजबूत बनेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि बजट पर संवाद कार्यक्रम में उपस्थित विषय-विशेषज्ञों ने अपने प्रस्तुतिकरण में कई सुझाव दिये हैं, जिससे कई क्षेत्रों में और काम करने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का वर्ष 2025-26 का बजट बेहतर और जनोपयोगी होगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने विषय-विशेषज्ञों से कहा कि आप सभी से बजट के संबंध में मार्गदर्शन लिया है। उन्होंने कहा कि लिखित में भी आप अपने सुझाव दे सकते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि यह बड़ा संयोग है कि आज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती है, दो दिनों बाद गणतंत्र दिवस है और प्रयागराज में कुंभ चल रहा है, ऐसे समय में हम प्रदेश के बजट पर संवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित ही यह संवाद हम सबके लिये दूरगामी सकारात्मक परिणामों को सार्थक करने का कदम साबित होगा।

अगर आस्था है, तो बंद द्वार भी रास्ता है !!

संपादकीय

कुंभ के बाद कहां चले जाते हैं और क्या करते हैं नागा साधु?

चेतन गन्धे
9893157809
सम्पादक

प्रयागराज में गंगा, युमना और सरस्वती नदी के संगम तट पर दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मेला महाकुंभ में अभी तक नौ करोड़ से ज्यादा डुबकी लगा चुके हैं। 13 जनवरी 2025 से शुरू हुआ महाकुंभ 26 फरवरी 2025 तक चलेगा। गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम में स्नान करने के लिए साधु-संतों के अलावा दुनियाभर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। महाकुंभ में इस बार 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। महाकुंभ में नागा साधु सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र हैं। आज हम आपको अपनी खबर में यह बताएंगे कि आखिर कुंभ के बाद नागा साधु कहां चले जाते हैं और क्या करते हैं?

सनातन धर्म में नागा साधुओं को धर्म का रक्षक माना जाता है। नागा साधुओं को 12 वर्षों की कठोर तपस्या करनी पड़ती है। नागा साधु भगवान शिव के वैरागी स्वरूप की पूजा करते हैं। महाकुंभ में देशभर से नागा साधु पहुचे हैं, जो लोगों के लिए सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र हैं। नागा साधु, बिना कपड़े के, शरीर पर भस्म और लंबी जटाओं की वजह से भीड़ में सबसे अलग नजर आते हैं।

नागा साधु बनने के लिए 12 वर्ष कठिन तपस्या करनी पड़ती है। नागा साधुओं का जीवन बेहद ही जटिल होता है। बताया जाता है कि किसी भी इंसान को नागा साधु बनने में 12 साल का लंबा समय लगता है। नागा साधु बनने के बाद वह गांव या शहर की भीड़भाड़ भरी जिंदगी को त्याग देते हैं और रहने के लिए पहाड़ों पर जंगलों में चले जाते हैं। उनका ठिकाना उस जगह पर होता है, जहां कोई भी न आता जाता हो। अखाड़ों में नागा साधु को अनुशासन और संगठित जीवन जीने की शिक्षा दी जाती है। नागा साधु बनने की प्रक्रिया में 6 साल बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान वह नागा साधू बनने के लिए जरूरी जानकारी हासिल करते हैं। इस अवधि में वह सिर्फ लंगोट पहनते हैं। वह कुंभ मेले में प्रण लेते हैं जिसके बाद लंगोट को भी त्याग देते हैं और पूरा जीवन कपड़ा धारण नहीं करते हैं। सबसे खास बात यह है कि वह बिस्तर पर नहीं सोते हैं। नागा साधु बनने की प्रक्रिया की शुरुआत में सबसे पहले ब्रह्मचर्य की शिक्षा लेनी होती है। इसमें सफलता प्राप्त करने के बाद महापुरुष दीक्षा दी जाती है। इसके बाद यज्ञोपवीत होता है। इस प्रकिया को पूरी करने के बाद वह अपना और अपने परिवार का पिंडदान करते हैं जिसे बिजवान कहा जाता है। नागा साधुओं को एक दिन में सिर्फ सात घरों से भिक्षा मांगने की इजाजत होती है। अगर उनको इन घरों में भिक्षा नहीं मिलती है, तो उनको भूखा ही रहना पड़ता है। नागा संन्यासी दिन में सिर्फ एक बार ही भोजन करते हैं। नागा साधू हमेशा नग्न अवस्था में रहते हैं और युद्ध कला में पारंगत होते हैं। यह अलग-अलग अखाड़ों में रहते हैं। नागा साधू अपना भोजन खुद बनाते हैं। अपने दिगंबर रूप की वजह से प्रसिद्ध होते हैं।

महाकुंभ

हर दिन बन रहा आस्था की डुबकी का रिकॉर्ड

हर दिन बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालु

◆प्रयागराज, सोने की कलम।

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ का आज 11वां दिन है. बड़ी संख्या में लोग संगम स्नान के लिए घाटों पर उमड़ रहे हैं. अब तक महाकुंभ में 10 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं. प्रयागराज में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 10 करोड़ को पार कर चुका है. अकेले गुरुवार को दोपहर 12 बजे तक करीब 30 लाख लोगों ने महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई. स्नान करने वाले वाले भक्तों की संख्या हर दिन बढ़ती जा रही है.

आम श्रद्धालुओं के साथ ही वीवीआईपी की संगम में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं. बुधवार को सीएम योगी भी अपनी कैबिनेट संग स्नान के लिए महाकुंभ पहुंचे थे. इससे पहले बीजेपी नेता मनोज तिवारी ने भी संगम में स्नान किया था. 5 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाकुंभ में स्नान के लिए पहुंचने वाले हैं।

मौनी अमावस्या को 10 करोड़ लोगों के पहुंचने की उम्मीद

गुरुवार को दोपहर 12 बजे तक संगम स्नान करने वालों का आंकड़ा 30 लाख था, जो शाम तक और बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है.संगम तट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लग जाता है. मकर संक्रांति के दिन बड़ी संख्या में भक्त प्रयागराज पहुंचे थे. दूसरा अमृत स्नान मौनी अमावस्या को है. इस दौरान करीब 10 करोड़ लोगों के आस्था की डुबकी लगाने की उम्मीद जताई जा रही है।

11 दिन में 1 करोड़ 75 लाख लोगों ने किया संगम स्नान

महाकुंभ स्नान 13 जनवरी से शुरू हुआ था. उस दिन पौष पूर्णिमा को 1 करोड़ 75 लाख से ज्यादा लोगों ने संगम में स्नान किया था. वहीं मकर संक्रांति के अमृत स्नान के लिए 3 करोड़ 50 लाख से ज्यादा लो प्रयागराज पहुंचे थे. जानकारी के मुताबिक हर दिन करीब 50 लाख लोग संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं.

महाकुंभ में 'वायरल गर्ल' का हुआ मेकओवर, नए लुक में मोनालिसा को पहचान नहीं पाए लोग

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगे दुनिया के सबसे बड़े मेले यानी महाकुंभ में इंदौर से माला बेचने पहुंची एक लड़की जमकर वायरल हो रही है, जिसकी आंखें बेहद खूबसूरत बताई जा रही है. महाकुंभ से एक के बाद एक इस वायरल गर्ल के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. वायरल गर्ल का नाम मोनालिसा है, जो मध्य प्रदेश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर से अपनी फैमिली संग रुद्राक्ष की माला बेचने महाकुंभ में आई है. अब हर किसी का ध्यान इस वायरल गर्ल पर जा रहा है. वहीं, मोनालिसा अब मेला छोड़कर अपने घर चली गई है, जहां एक प्रोफेशनल ब्यूटी पार्लर ने उसका खूबसूरत मेकओवर किया है. अब इस वायरल गर्ल के मेकओवर वीडियो सोशल मीडिया पर हंगामा मचा रहे हैं। शिप्रा मेकओवर ब्यूटी सैलून ने वायरल गर्ल का मेकओवर किया है. ब्यूटी सैलून के इंस्टाग्राम अकाउंट पर मोनालिसा के मेकओवर के एक नहीं बल्कि कई वीडियो हैं, जिसमें प्रोफेशनल आर्टिस्ट उसका मेकअप करती दिख रही हैं।

नशे में 100 की रफ्तार से कार दौड़ाई, चार गाड़ियों को रौंदा

एटीएम और कॉस्मेटिक्स शॉप में घुसी, 3 युवक पकड़े गए

◆इंदौर, सोने की कलम।

सदर बाजार इलाके में एक नशे में धुत युवक ने कार की रफ्तार को 100 किमी प्रति घंटा से ज्यादा बढ़ा दिया, जिसके बाद उसने चार गाड़ियों को रौंद दिया और एक दुकान व एटीएम में घुस गया। यह हादसा रात करीब ढाई बजे बाम्हबाग कॉलोनी में हुआ, जब कार ने एक कास्मेटिक्स शॉप और उसके पास खड़ी तीन एक्टिवा व एक बाइक को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ियां चकनाचूर हो गईं। इसके बाद कार फुटपाथ पर चढ़ते हुए एटीएम में घुस गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की तेज आवाज सुनकर बाहर आकर घटनास्थल पर पहुँच कर तीन युवकों को पकड़ लिया। इनमें से एक युवक का नाम आदित्य बताया जा रहा है। कार में कुल पांच युवक सवार थे, जिनमें से दो मौके से भाग गए। पकड़े गए तीन युवकों को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे में भारी नुकसान हुआ है और आरोपियों पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

निर्दयी मां, बच्चों को फांसी पर लटकाकर खुद भी फंदा लगाया

◆इंदौर, सोने की कलम।

बडग़ोंदा क्षेत्र में एक महिला ने अपने बच्चों को फांसी पर टांग दिया और खुद ने भी फांसी लगाकर जान दे दी। घटना में बच्ची बच गई, जबकि महिला और उसके बेटे की मौत हो गई। यह बात सामने आ रही है कि वह ससुराल की प्रताडऩा से तंग थी। बच्चों को फांसी पर लटाककर जान देने वाली महिला पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। अब जांच के आधार पर उन लोगों पर कार्रवाई होगी, जिनके चक्कर में महिला ऐसा करने पर मजबूर हुई।

बडग़ोंदा पुलिस ने बताया कि घटना क्षेत्र के नांदेड़ गांव की है। यहां रहने वाली डिंपल ने मासूम बच्चों काव्यांश व बेटी सौम्या को फांसी के फंदे पर लटका दिया और फिर खुद फांसी पर लटककर जान दे दी। घटना में काव्यांश की तो मौत हो गई, जबकि बेटी सौम्या की जान बच गई। पुलिस ने मामले में जांच के बाद फिलहाल डिंपल के खिलाफ बच्चों को मारने और मारने का प्रयास करने का केस दर्ज किया है। उधर, यह बात सामने आ रही है कि डिंपल के ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करते थे, इसी के चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस इस मामले की भी जांच कर रही है। आगे इसमें भी ससुराल वालों पर कार्रवाई हो सकती है।

बेटे का रिश्ता तय कर जिस दिन आए उसी दिन हादसा, पिता की मौत, बेटा घायल

◆इंदौर, सोने की कलम।

रिश्ता तय कर जिस दिन पिता-पुत्र घर आए उसी दिन वे सडक़ हादसे का शिकार हो गए, जिसमें पिता की मौत हो गई। घटना में बेटे को भी चोटें आई हैं। दोनों को एक कार वाले ने टक्कर मारी थी। पुलिस कार वाले की जानकारी जुटाकर केस दर्ज करने की बात कह रही है।

खुडैल पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय राकेश पिता कैलाश निवासी तिल्हौर के शव का एमवाय अस्पताल में पोस्टमार्टम हुआ। उनका बेटा यश भी घायल हुआ है। बताया जा रहा है कि राकेश बेटे यश को लेकर कल उज्जैन के पास उसकी शादी का रिश्ता तय करने गए थे। वहां से लौटने के बाद दोनों दुकान का सामान लेने जा रहे थे, तभी एक कार वाले ने टक्कर मार दी, जिसमें राकेश की मौत हो गई और यश घायल हो गया। बताया जा रहा है कि पिता-पुत्र खुडैल क्षेत्र में सैलून की दुकान चलाते हैं। दुकान का सामान लेने के लिए वे पालदा इलाके में आए थे। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में जानकारी निकाल रही है। उधर, सांवेर में भी एक हादसा हुआ। 50 वर्षीय बोंदर पिता अंबाराम की सडक़ हादसे में मौत हो गई। उसके शव का भी एमवाय अस्पताल में पोस्टमार्टम हुआ।

पुलिस को चकमा देने बदमाशों ने मुंडवाया सिर

पकड़ में आए तो ढोल-नगाड़ों संग निकाला जुलूस

◆इंदौर, सोने की कलम।

रीजनल पार्क में पुलिसवालों पर हमला करने वाले सात बदमाशों को राजेंद्र नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को चकमा देने के लिए आरोपित सिर मुंडवा कर फरारी काट रहे थे। पुलिस ने आरोपितों की पिटाई की व रीजनल पार्क ले गई।

यहां ढोल-नगाड़ों के साथ सातों का जुलूस निकाला। शर्म के मारे सिर झुकाए बदमाश रास्तेभर कान पकड़कर माफी मांगते रहे। डीसीपी जोन-1 विनोद कुमार मीणा के मुताबिक घटना रविवार रात की है। आरोपित शुभम युवाओं की भीड़ लगाकर जन्मदिन मना रहा था।

रहवासियों ने कंट्रोल रूम पर कॉल कर बताया कि युवक शराब के नशे में हथियारों का प्रदर्शन कर रहे हैं। सिपाही राहुल और पवन समझाने गए तो जवानों से धक्का-मुक्की की और शासकीय वाहन (बाइक) में तोड़फोड़ कर दी।

पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा और मारपीट का केस दर्ज कर मंगलवार रात रोहित उर्फ अक्कू बटला पुत्र कालू सोलंकी नगर, लाला उर्फ सिकंदर पुत्र जगदीश सांवले, अर्जुन उर्फ गोलू पुत्र चुन्नीलाल गंगारे निवासी महादेव नगर, विक्की पुत्र हीरू नायक, अभिषेक पुत्र कोमल ओसवाल निवासी राजरानी नगर, सचिन पुत्र मोहनलाल मंडलोई निवासी छापरी और भोलू पुत्र मोहन कराले निवासी गणगौर नगर को पकड़ लिया।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। यह साफ नहीं हुआ कि उसने यह कदम क्यों उठाया। सदर बाजार पुलिस ने बताया कि साउथ गाडराखेड़ी में रहने वाले निखिल पिता अनिल के शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। पुलिस पता लगा रही है कि उसने यह कदम क्यों उठाया।

छत से कूदा तेंदुआ, भगदड़ मची

देवगुराड़िया के रहवासी इलाके में घुसा, रेस्क्यू में जुटी वन विभाग की टीम

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर के खुड़ैल इलाके में गुरुवार दोपहर एक तेंदुआ निर्माणाधीन मकान में बैठा दिखाई दिया। भगाने की कोशिश की गई तो वह लोगों की तरफ झपटा। इससे इलाके में भगदड़ मच गई। घटना का वीडियो सामने आया है। सूचना मिलने के बाद फॉरेस्ट विभाग की टीम तेंदुए को रेस्क्यू करने पहुंची है।

मामला देवगुराड़िया गांव के मानसरोवर नगर का है। तेंदुए को सबसे पहले मकान में काम कर रहे मजदूरों ने देखा। घटना की सूचना कंट्रोल रूम को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फॉरेस्ट विभाग को इसकी जानकारी दी। फिलहाल इलाके में दहशत का माहौल है।

मौके पर मौजूद रेंजर योगेश यादव ने कहा, आशंका है कि तेंदुआ पास ही स्थित रालामंडल जंगल से रिहायशी इलाके में आया है। उसे जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। फिलहाल, फॉरेस्ट विभाग की टीम इलाके में सर्चिंग कर रही है। कुछ लोगों ने तेंदुए के एक मकान में घुसने की बात कही है। यहां जाली लगाकर टीम के लोग अंदर गए हैं।

इसके पहले भी इंदौर में गांधी नगर के हाईलिंक प्रीमियम कॉरिडोर नैनोद और एकदंत एवेन्यू के नजदीक गुरुवार को फिर एक बार तेंदुआ देखने को मिला है। इसका वीडियो रहवासियों ने कैमरे में कैद किया और वन विभाग को लाइव लोकेशन सहित भेजा। इससे पहले इंदौर के ही नैनोद (सुपर कॉरिडोर के पास) में बुधवार देर शाम करीब 8 से 9 बजे के बीच तेंदुआ और उसका शावक ग्रामीणों को नजदीक की कॉलोनियों में घूमते दिखा था।

वहीं सुपर कॉरिडोर के पास स्थित समर्थ ड्रीम प्रीमियम ग्रीन में भी तेंदुए का शावक घूमता हुआ नजर आया था। शावक का मूवमेंट घरों में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। रहवासियों के अनुसार ऐसा लग रहा है कि मादा तेंदुआ और उसका शावक बिछड़ गए हैं। तेंदुए का शावक रात 11 से 12 बजे की बीच में नजर आया है।

मास्टर प्लान की सड़कों को लेकर लिए सुझाव

विजयवर्गीय बोले- क्वालिटी से नहीं होगा समझौता; हर 15 दिन में समीक्षा करें महापौर

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर शहर की मास्टर प्लान की सड़कों को लेकर सिटी बस ऑफिस में गुरुवार को बैठक हुई। जनप्रतिनिधियों से लेकर नगर निगम और जिला प्रशासन के कई अधिकारी इसमें शामिल हुए। बैठक में सभी से सुझाव लिए गए।साथ ही अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। इस बैठक में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर आशीष सिंह, आयुक्त शिवम वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, नगर निगम और प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

मीडिया से चर्चा करते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि, नगर निगम और जिला प्रशासन के साथ बैठकर सभी जनप्रतिनिधियों के साथ सुझाव कर शहर का विकास कैसा हो इसका मार्गदर्शन हमने लिया है। सड़कों के लगभग 500 करोड़ के टैंडर हो चुके हैं। भविष्य में 500 करोड़ की सड़कों की और प्लानिंग है।

इसी प्रकार 1-1 हजार करोड़ के ही नमामी गंगे योजना और अमृत 2 के अंतर्गत ड्रेनेज और पानी के काम हमने तय किए हैं। मूलभूत सुविधाएं होती हैं, ड्रेनेज, पानी और सड़क इन तीनों के लिए हमने टैंडर निकालने के आदेश दिए है। कई टैंडर हो भी चुके हैं।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि, सीएम डॉ.मोहन यादव इंदौर आएंगे। उनके साथ सारी सड़कों का भूमिपूजन कराएंगे। शहर में विकास तेज गति से हो, क्वालिटी सड़कें बने, इस बात के निर्देश हमने नगर निगम को दिए हैं। महापौर से आग्रह किया है कि, हर 15 दिनों में वे निर्माण कामों की समीक्षा करें। जो भी सड़कें बने, वहां के ठेकेदार का नाम, जो सुपर विजन करने वाला हो, उसका नाम-नंबर भी लिखे। थर्ड पार्टी एजेंसी भी जो उसका सुपर विजन करेगी। हम क्वालिटी से कॉम्प्रोमाइज नहीं चाहते हैं। क्वालिटी सड़कें बने, क्वालिटी पाइप लाइन बिछे, क्वालिटी ड्रेनेज का काम हो, इस दिशा में हम लोग काम कर रहे हैं।

हवाई यात्रियों के लिए अच्छी खबर

इंदौर से सीधे जुड़ सकते हैं भुवनेश्वर और जेवर एयरपोर्ट

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर से लगातार कई शहरों के लिए सीधी उड़ान की सुविधा शुरू हो रही है। दो माह बाद शुरू होने वाले समर सीजन में इंदौर से भुवनेश्वर और नोएडा के जेवर एयरपोर्ट के लिए सीधी उड़ानें शुरू हो सकती है। विमान कंपनियों ने इसके लिए इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन से संपर्क किया है। इससे इंदौर और आसपास के शहरों से ओडिशा और नोएडा जाने वाले यात्रियों को फायदा होगा और उनके समय की बचत भी होगी।हालांकि अभी शेड्यूल जारी नहीं हुआ है, लेकिन विमान कंपनियों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

श्रद्धालुओं को मिलेगा फायदा

इंदौर से भुवनेश्वर के लिए सीधी उड़ान शुरू होने से जगन्नाथपुरी जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़ा फायदा होगा।भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जाने वाले यात्रियों की पहुंच आसान होगी। सीधी उड़ान से भुवनेश्वर जाने के बाद बस या ट्रेन से यात्रा कर महज डेढ़ घंटे में पूरी पहुंचा जा सकेगा। इससे इंदौर और आसपास के लाखों श्रद्धालुओं की राह आसान होगी। अभी इंदौर से संचालित होने वाली साप्ताहिक ट्रेन से यात्रियों को जाना पड़ता है। यह ट्रेन 28 घंटे में पूरी पहुंचाती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक चेतन गन्धे के लिए चेतन ग्राफिक्स, 135, नगर निगम मार्केट, सुभाष मार्ग, वीआईपी स्टेशनरी के सामने, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 109, बाणगंगा मेनरोड़, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: चेतन गन्धे, मो. : 9893157809 Email : sonekikalam@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।)